MARJ–02

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

RAJASTHANI

(आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य)

Paper : MARJ-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- ओ पेपर तीन खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' मांय बंट्योड़ौ है। खण्ड-अ में साव छोटा सवाल, खण्ड-ब में छोटा सवाल अर खण्ड-स में मोटा सवाल दियोड़ा है। हरैक खण्ड रे आगे दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर लिखौ।

खण्ड—अ **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा सगळां रा उत्तर देवणां जरूरी है। अेक सबद, अेक वाक्य अर **30** सबदां है।

1. (i) 'राउल वेल' रचना रा रचनाकार रौ नांव बतावो।

(ii) 'बादळी' प्रकृति परक रचना किण सैली में रचित है ?

(iii) 'मन रा मीत कान्हा रे' राधा काव्य री आ ओळिया में कांई संदेस दियो गयो है ?

(iv) जन कवि गणेशीलाल व्यास किण काव्यधारा सूं जुड्या थकां हा ?

(v) 'दीवौ कांपै क्यूं' सत्यप्रकाश जोशी री इण रचना में 'दीवौ' किणरौ प्रतीक बतायो गयो है ?

(vi) नारायण सिंह भाटी रौ 'दुरगादास' काव्य रौ नायक कुण हो ?

(vii) 'चेत मानखां' काव्य किण काव्यधारा में रचित है ?

(viii) 'बटाऊं' कविता रौ मूल भाव बतावो।

खण्ड—ब **4×8=32**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- निचे लिख्यां सवालां मांय सूं कोई **चार** सवालां रौ पडूत्तर दिरावो। सबद सीमा **200** सबदां है।

2. राजस्थानी काव्य री प्राचीन काव्य विधावां रौ परिचै दिरावो।

3. राजस्थानी गीति-काव्य परम्परा पर अेक टीप लिखो।

4. आधुनिक राजस्थानी राष्ट्रीय चेतना परक काव्य री विरोळ करो।

5. 'लू' काव्य रौ भाव पक्ष स्पष्ट करो।

6. जनकवि गणेशीलाल व्यास रौ जीवण-परिचै उजागर करो।

7. 'बोल भारमली' कविता रौ मूल भाव समझाइए।

8. नारायण सिंह भाटी री कविता "मिनख नै समझावणौ दोरो है" का भाव स्पष्ट करो।

9. गीति-काव्य परमपरा में रघुराज सिंह हाड़ा रौ जोगदान स्पष्ट करो।

खण्ड—स **2×16=32**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- निचे लिख्यां सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रौ पडूत्तर दिरावौ। सबद सीमा **500** सबदां है।

10. आधुनिक राजस्थानी काव्य री प्रमुख प्रवृत्तियां नै उदाहरण सैती समझावो।

11. राजस्थानी प्रकृतिवादी काव्य परम्परा में चन्द्रसिंह रौ जोगदान स्पष्ट करो।

12. जनकवि गणेशीलाल व्यास रै काव्य-सौन्दर्य नै उदाहरण सहित समझावो।

13. नारायण सिंह भाटी रै काव्य री काव्यगत विसेसतावां री ओळजांण करावो।